LATEST

NEWS

Election

Date : 18th Dec. 2025

Office of Chief Electoral Officer Rajasthan

https:/election.rajasthan.gov.in/

Follow us on:

CEORAJASTHAN

हेल्पलाइन 1950

Hindustan Times

{ ELECTORAL ROLLS } ANALYSTS WARN OF CONSEQUENCES

BJP strongholds get most cuts in SIR draft

Senjuti Sengupta
letters@hindustantimes.com

JAIPUR: The deletion of 4.18 million voters' names from the first draft electoral roll under the Special Intensive Revision (SIR) in the state has triggered political churn, with analysts and Bharatiya Janata Party (BJP) leaders warning that the exercise could have far-reaching electoral consequences, particularly in BJP-dominated urban regions, even as parties await constituency-wise data to assess the real fallout.

Dhundhar region comprising the capital city Jaipur saw the maximum deletion on the first draft roll of SIR that was published on Tuesday followed by Mewar, Vagad, and Hadoti. While the lowest cut was witnessed in Shekhawati and Mewat.

Political analyst Manish Godha believed that it is difficult to understand this pattern until we get to analyse the constituency-wise data. "Apparently, Congress' narrative over the SIR exercise seems to have failed. However, there could be some Muslim pockets in the BJP-dominant areas where the BJP MLAs worked actively and their names have been removed. But it would be too early to predict."

Another analyst Mithilesh Jamini said this is a reflection of active monitoring of the Congress BLAs. "In only the Shekhawati region, the Congress had deployed over 6,200 BLAs. This deletion will leave a huge impact on the BJP in the upcoming election." "Most of the voters have been deleted from the urban areas of the state. In the rural areas, Congress still has a stronghold and they are missing the schemes and policies implemented by former chief minister Ashok Gehlot," he said.

Nearly 10% voters took an exit from the current voter lists across six districts in Dhundhar region that usually shows a mixed political preferences in the elections traditionally.

However, Jaipur and Ajmer, the two districts in the region had the maximum deletions in the state with 11.11% and 10.12% respectively.

Dhundhar was followed by a traditionally BJP dominant region, Mewar, where 8.73% names have been removed.

However, the Vagad region in the state's southern tribal belt had the third highest deletions of 8.44%, despite their traditional favour to Congress and now various tribal outfits such as Bharat Adivasi Party. The fourth highest cut took place in BJP dominant Hadoti region where 8.39% names have been removed from the voter lists.

BJP state vice president Narayan Panchariya expressed his worry over the huge cuts in the BJP dominant areas. He said: "The exercise has been conducted fairly and we will continue cooperating with the Election Commission. However, looking at the upcoming assembly election in 2028, we will have to analyse the possible impacts of this deletion in our strongholds. We have asked our BLAs to review the deleted names."

Region-wise deletion of voters

Regions	Traditional political dominance	FIGURES IN % Deletion in SIR
Dhundhar	Mixed with mostly BJP dominant urban pockets (Jaipur, Ajmer etc)	9.48
Mewar	BJP	8.73
Vagad	Congress and other tribal outfits	8.44
Hadoti	BJP	8.39
Marwar	Mixed preferences but currently most seats with BJP	6.63
Mewat	Congress	6.18
Shekhawati	Congress	4.03

Voters marked absent, relocated, or duplicate can file claim by Jan 15

Jaipur: Voters categorised as absentee, relocated, or duplicate under the Special Intensive Revision (SIR) and removed from the electoral rolls can raise objections with the applicable sub-divisional (SDM) office by Jan 15. According to the state's election department, a total of 33 lakh such voters can apply for re-inclusion in the voter list by submitting Form 6, along with the necessary identification documents.

In addition, nearly 11 lakh voters whose names, or the names of their relatives, could not be traced in the 2002 voter list, can submit one of 13 specified documents for verification. These voters can either submit the documents to a Booth Level Officer (BLO), who will forward them to the office of the Election Registration Officer (ERO) or the Assistant Election Registration Officer (AERO). Applicants can also submit the documents directly to the ERO or AERO office.

PTI

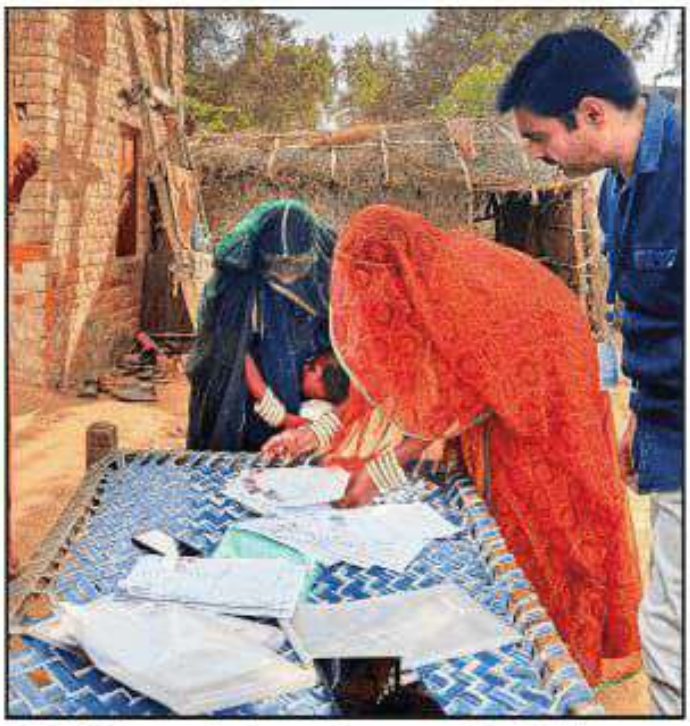

A BLO assists voters with filling out SIR enumeration forms in Bikaner (File pic)

These 11 lakh voters can submit any document from a list of 13, which includes any ID card or pension payment order, birth certificate, passport, and permanent residence certificate. TNN

पंजाब केसरी
THU,18 DECEMBER 2025
EDITION: JAIPUR, PAGE NO. 1

शहरी क्षेत्र से वोटर्स का बड़ी संख्या में पलायन

मतदाता सूची के ड्राफ्ट में बड़ा खुलासा

- **सिविल लाइंस में हुआ सर्वाधिक पलायन**
- **इन क्षेत्रों में भी दिखाई दिया बड़ा असर**

जयपुर, 17 दिसम्बर (ब्यूरो): प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआई आर) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जिला निर्वाचन शाखा की ओर से जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची के अनुसार राजधानी के शहरी इलाकों से मतदाताओं का बड़े स्तर पर पलायन (परमानेंट शिफ्टिंग) हुआ है। जयपुर की 17 विधानसभा सीटों में से 4 क्षेत्र ऐसे हैं, जहां 10 फीसदी से भी ज्यादा मतदाता दूसरे क्षेत्रों में जाकर बस गए हैं।

इसमें सबसे ज्यादा मतदाता सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से शिफ्ट हुए हैं। यहां कुल मतदाताओं के 15.43 प्रतिशत लोग दूसरे क्षेत्रों में चले गए हैं। आंकड़ों की बात करें तो एसआई आर प्रक्रिया से पहले यहां 2 लाख 49 हजार 187 मतदाता थे, जिनमें से 38 हजार 446 मतदाता जनवरी से दिसंबर के बीच दूसरे क्षेत्रों में शिफ्ट हो गए।

सिविल लाइंस के अलावा सांगानेर, आदर्श नगर, विद्याधर नगर और मालवीय नगर ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जहां मतदाताओं के पलायन की दर 10 फीसदी या उससे अधिक रही है। यह आंकड़ा बता रहा है कि शहरी क्षेत्रों में लोग तेजी से रिहायशी ठिकानों को बदल रहे हैं। शहर के मध्य और पॉश इलाकों से लोग नए विकसित हो रहे क्षेत्रों और बाहरी कॉलोनियों की ओर रुख कर रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं का जुड़ाव अपनी जड़ों से बना हुआ है।

एआई जनरेटेड

जयपुर जिले में विधानसभावार स्थिति

विधानसभा	कुल वोटर्स	एएसडी	पलायन हुए वोटर्स	पलायन वोटर्स (%)
शाहपुरा	2,40,228	10,347	5901	2.46
चौमूं	2,57,463	8,806	3519	1.37
फुलेरा	2,65,906	12,861	6111	2.3
दूदू	2,58,037	13,938	5090	1.97
झोटवाड़ा	4,58,622	68,584	36134	7.88
आमेर	3,02,561	18,757	10979	3.63
जमवारामगढ़	2,37,659	19,492	9256	3.89
हवामहल	2,68,933	38,708	23774	8.84
विद्याधर नगर	3,59,470	57,424	45210	12.58
सिविल लाइंस	2,49,187	49,474	38446	15.43
किशनपोल	1,97,994	28,028	16492	8.33
आदर्श नगर	2,75,064	46,022	33870	12.31
मालवीय नगर	2,21,755	33,022	20880	9.42
सांगानेर	3,74,735	61,674	46581	12.43
बगरू	3,82,506	47,522	33158	8.67
बस्सी	2,37,793	8,950	1187	0.5
चाकसू	2,35,466	12,667	2902	1.23
कुल	4823379	536276	339490	7.03

ग्रामीण क्षेत्रों में 4 फीसदी ही पलायन

ड्राफ्ट मतदाता सूची में सामने आया है कि पलायन की यह मुख्य रूप से शहरी विधानसभा क्षेत्रों तक ही सीमित है। इसके विपरीत, जयपुर के ग्रामीण इलाकों में मतदाता अपने मूल स्थान पर ही बने हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन की दर मात्र 4 फीसदी से भी कम दर्ज की गई है। इसमें बस्सी विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम पलायन हुआ है। यहां मात्र 0.5% मतदाता ही दूसरी जगह शिफ्ट हुए हैं। बस्सी में 2 लाख 37 हजार 793 मतदाताओं में से केवल 1,187 ही कम हुए। इसके अलावा चाकसू (1.23%), चौमूं (1.37%), दूदू (1.97%), फुलेरा (2.30%), शाहपुरा (2.46%), जमवारामगढ़ (3.89%) और आमेर (3.63%) में भी पलायन का स्तर काफी कम रहा है।

पंजाब केसरी
THU,18 DECEMBER 2025
EDITION: JAIPUR, PAGE NO. 1

एसआईआर पर भाजपा अलर्ट बारीकी से काम करने की नसीहत

जयपुर, 17 दिसम्बर(ब्यूरो) : राजस्थान में एसआईआर को लेकर भाजपा अलर्ट मोड पर है। एसआईआर का दूसरा फेज पर काम शुरू हो गया है ऐसे में भाजपा किसी भी कीमत पर कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बुधवार को कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एसआईआर में लगे पदाधिकारियों को बारीकी से काम करने की नसीहत दी गई है। पहले फेज में लगभग 42 लाख नाम हटाए गए हैं। बीएलए 1 और बीएलए 2 को गाईड लाइन दी है। दूसरे फेज का काम महत्वपूर्ण है, इसमें नाम हटाना और जोड़ने का प्रमुख कार्य होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कहा है कि यदि किसी स्तर पर कोई परेशानी हो तो तत्काल बताएं। कोई भी समस्या आएंगी तो उसका समाधान किया जाएगा। सीएम ने कहा कि बीएलए गहनता के साथ काम करें, जहां कमी रही है उसे पूरा किया जाए। बीएलए 1 के पेंडिग काम को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि हमें लिस्ट उपलब्ध हुई है, इसकी हम स्क्रूटनी करेंगे। इसके बाद पता लग जाएगा कि कितने वाजिब नाम है।

दैनिक नवज्योति
Jaipur City - 18 Dec 2025 - Page 5

एसआईआर 2025: पहले दिन किसी भी राजनीतिक दल ने नहीं दर्ज कराए दावे-आपत्ति

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर। निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में वोटर्स नामों को लेकर जारी ड्राफ्ट सूची के बाद बुधवार को पहले दिन किसी भी राजनीतिक दल ने कोई दावे या आपत्तियां दर्ज नहीं कराई। निर्वाचन आयोग ने जारी ड्राफ्ट सूची पर राजनीतिक दलों और मतदाताओं से नाम कटने पर नाम जुड़वाने के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अनुमति दी है, जिसके बाद संबंधित दस्तावेज बीएलओ या ऑनलाइन माध्यम से जमा करवाने पर नाम जुड़वाया जा सकता है। प्रदेश भर में नाम जुडवाने के लिए 11,706 फॉर्म-6 और नाम हटवाने के लिए 139 फॉर्म-7 जमा हुए हैं। वहीं नाम जुड़वाने या कटवाने के लिए एफिडेविड देने की प्रक्रिया में पहले दिन किसी ने भी एफिडेविड जमा नहीं कराया।

दैनिक भास्कर

दौसा भास्कर 18-12-2025

मतदान केंद्र बदलने का विरोध, ग्रामीणों ने निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भास्कर न्यूज | लालसोट

ग्राम पंचायत झांपदा की बेपलावत ढाणी के ग्रामीणों ने मतदान केंद्र बदले जाने को लेकर बुधवार को निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले ग्राम पंचायत झांपदा का बूथ नंबर 148 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झांपदा में स्थित था, जिसे वर्तमान में जारी एसआईआर के दौरान बदलकर ग्राम पंचायत नालावास के गोकुलपुरा स्थित बूथ नंबर 168 कर दिया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी ढाणी ग्राम पंचायत झांपदा में आती है। झांपदा स्थित पुराने मतदान केंद्र की दूरी ढाणी से करीब 2 किलोमीटर है, जबकि नया मतदान केंद्र गोकुलपुरा में लगभग 7 किलोमीटर दूर है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मतदान केंद्र बदलते समय दूरी और सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया। उन्होंने मतदान केंद्र को पुनः झांपदा में ही रखने की मांग करते हुए निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते समय रूप सिंह मीणा, रामजीलाल, रामकेश मीणा, लल्लू, प्रभु लाल, हजारीलाल,फैली राम मीना, रमेश, मीठालाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

दैनिक नवज्योति
Dausa - 18 Dec 2025 - Page 6

एसआईआर के बाद लालसोट में 15,503 मतदाताओं के नाम हटे

आपत्ति होने पर 15 जनवरी तक जुड़वा सकेंगे नाम, 3240 वोटरों की मौत

न्यूज सर्विस/ नवज्योति, लालसोट लालसोट विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद कुल 15,503 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। यह जानकारी उपखंड अधिकारी (एसडीएम) विजेंद्र मीणा ने दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। एसडीएम विजेंद्र मीणा के अनुसार 4 नवंबर से 11 दिसंबर तक गणना चरण के दौरान सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित एवं संग्रहित किए गए। गहन पुनरीक्षण शुरू होने से पहले लालसोट विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,66,875 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 2,51,372 मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र भरकर जमा करवाए, जिनके नाम 16 दिसंबर को जारी प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए गए। इस प्रक्रिया के दौरान विभिन्न कारणों से 15,503 मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें 3,240 मृत मतदाता, 10,076 स्थानांतरित मतदाता, 1,271 अनुपस्थित मतदाता तथा 852 मतदाता एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत पाए गए। इसके अलावा 64 अन्य मतदाताओं के नाम भी सूची से हटाए गए हैं। ये सभी मतदाता 'एएसडी' (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत) श्रेणी में आते हैं। एसडीएम ने बताया कि कोई भी पात्र मतदाता 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकता है। आपत्तियों के निस्तारण हेतु ईआरओ स्तर पर सुनवाई की जाएगी। बीएलओ फील्ड में सक्रिय हैं। अब तक 547 फार्म-6 ऑनलाइन व 315 ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं। मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूची की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी प्रदान की गई, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026

#SriGanganagar

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम • राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया बताई

सूरतगढ़ विस में 15529 मतदाताओं ने परिगणना परिपत्र जमा नहीं करवाए, इनमें 1101 दोहरे वोट

सूरतगढ़। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित कर दिया। इस पर 15 जनवरी तक दावे व आपत्तियां पेश की जा सकेंगी।

पुनरीक्षण से पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 273253 मतदाता मतदाता सूची में दर्ज थे। एसडीएम कार्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार 11 दिसंबर तक चले अभियान में 257724 मतदाताओं ने परिगणना परिपत्र जमा करवा दिए। ऐसे में उनके नाम प्रारूप सूची में शामिल कर लिए। जबकि 15529 मतदाताओं के परिगणना परिपत्र नहीं मिले। इनमें 4549 मृत मतदाता, 6195 स्थायी रूप से स्थानांतरित और 3601 अनुपस्थित हैं, 1101 एकाधिक पंजीकरण वाले व 83 अन्य मतदाता शामिल हैं। जो परिगणना परिपत्र वापस जमा नहीं हुए उनकी विस्तृत सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान की वेबसाइट व जिला वेबसाइट पर जारी की गई है। चुनाव शाखा के जितेंद्र सिंगाठिया ने बताया कि यह सूची मतदान केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों व नगरीय निकाय कार्यालयों में चस्पा भी की है, ताकि आमजन इसका अवलोकन कर सके।

एसडीएम भरत जयप्रकाश मीना ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक कर प्रारूप सूची की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करवाई। इसके साथ ही दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। इस संबंध में हुई बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी विनोद कड़वासरा, एसआर विनोद गोदारा व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पसराम भाटिया, भाजपा के सुरेशकुमार मिश्रा व बसपा से सत्री फूलका उपस्थित थे।

नाम जोड़ने व काटने, सुधार के लिए आवेदन 15 जनवरी तक

विधानसभा क्षेत्र में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन कर 52 नये मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अब बूथों की संख्या 252 से बढ़कर 304 हो गई। नये वोट बनाने के लिए 575 ऑनलाइन व 560 ऑफलाइन फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। नए नाम प्रक्रिया पूरी कर सूची में जोड़े जाएंगे। दावे व आपत्तियां 15 जनवरी 2026 तक पेश की जा सकेंगी। नाम जोड़ने, हटाने या सुधार के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। इसकी साप्ताहिक सूची राजनीतिक दलों से साझा की जाएगी। ईआरओ के निर्णय के खिलाफ 15 दिन में जिला मजिस्ट्रेट व 30 दिनों में मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अपील की जा सकती है। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

श्रीकरणपुर: 37 नए बूथ बनाए, संख्या 288 हुई, सूची से 10040 नाम हटाए

श्रीकरणपुर। विधान सभा क्षेत्र की फोटो युक्त मतदाता सूचियां की विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत एसआईआर की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया। एसडीएम श्योराम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को साथ बैठक कर उन्हें मतदाता सूची उपलब्ध करवाई।

विधानसभा क्षेत्र के 10040 एएसडी वोट सूची से हटाए गए हैं। डोर टू डोर बार-बार बीएलओ के सर्वे के बावजूद यदि किसी सही मतदाता का नाम इस सूची में शामिल होने से रह गया या किसी को नया नाम जुड़वाना हो तो 15 जनवरी 2026 तक दावा प्रस्तुत कर सकता। बैठक में भाजपा के पवन पपनेजा, अशोक कुमार गरुडा, रमेश कुमार छाबड़ा, कांग्रेस की ओर से प्रदीप सुमन, दीपक अग्रवाल, दर्शन सिंह, अमृतपाल सिंह, वकील सिंह, बनवारी लाल, देवेंद्र, जगदीश, शेर सिंह तथा सीपीएम ओर से केवल सिंह उपस्थित थे।

गहन पुनरीक्षण के तहत विधानसभा क्षेत्र में अब बूथ 251 से बढ़कर 288 हो गए। पहले कई बूथों पर 1400 से अधिक मतदाता थे, अब विधानसभा क्षेत्र में न्यूनतम 300 व अधिकतम 1200 मतदाता का पोलिंग बूथ होगा।

विधानसभा क्षेत्र में पहले 249721 मतदाता थे, इनमें से मृतक, स्थानांतरित दोहरी प्रविष्टि आदि वाले 10040 मत हटाने के बाद अब सूची में कुल 239681 मतदाता रह गए। इनमें 238134 मतदाताओं का 99.36 प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया गया है।

@DmSriganganagar

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026

#SriGanganagar

एसआईआर के बाद मतदाता सूची का प्रारूप जारी, आपत्तियां मांगी

सूरतगढ़ में 15529 मतदाता हटे, 52 बूथ बढ़े

शिवशंकर सारड़ा

सीमा सन्देश # सूरतगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (एसआईआर) के तहत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का प्रारूप मंगलवार को जारी कर दिया गया। इसके लिए घर-घर करवाए सघन सर्वे के दौरान 15 हजार से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं जबकि मतदान केंद्रों की संख्या 52 बढ़ाकर 304 कर दी गई है। जानकारी अनुसार पुनरीक्षण से पहले विधानसभा क्षेत्र के दर्ज 2 लाख 73 हजार 253 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे। उपखंड कार्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक चले गणना चरण में 2 लाख 57 हजार 724 मतदाताओं ने अपने प्रपत्र भरकर जमा किए, जिनके नाम प्रारूप सूची में शामिल किए गए हैं। वहीं 15 हजार 529 मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त नहीं होने पर उनके नाम सूची से बाहर कर दिए गए। इनमें 4 हजार 549 मृत, 6 हजार 195 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 3 हजार 601 अनुपस्थित, 1101 एकाधिक पंजीकरण वाले व 83 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। अप्राप्त प्रपत्रों की सूची मुख्य निर्वाचन

अधिकारी राजस्थान की वेबसाइट व जिला वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा यह सूची मतदान केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों व नगरीय निकाय कार्यालयों में भी चस्पा की जा रही है ताकि आमजन उसका अवलोकन कर सकें।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 6 दिसंबर को प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल ऑफिसर ने राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स के साथ बैठक आयोजित की। इन बैठकों में अप्राप्त प्रपत्रों की सूची व कारण साझा किए गए। बैठक की कार्यवाही व सूची जिला वेबसाइट पर अपलोड की गई है। मान्यता प्राप्त दलों की बैठक में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष परसराम भाटिया, भाजपा से सुरेश कुमार मिश्रा व बसपा से सन्नी फूलका शामिल हुए। उन्हें प्रारूप सूची की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करवाने के साथ दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

पुनरीक्षण के दौरान 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन कर 52 नए मतदान केंद्र सृजित किए गए हैं। पहले जहां 252 मतदान केंद्र थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 304 हो गई है। इससे मतदाताओं की भीड़ कम होगी और मतदान प्रक्रिया सुचारू रहेगी इस बीच नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए भी अच्छी प्रगति हुई है। इस अवधि में 575 ऑनलाइन ल 560 ऑफलाइन फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया पूर्ण कर मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। नागरिक वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर सर्विस पोर्टल या बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 भर सकते हैं। जो युवा 1 अप्रैल, 1 जुलाई या 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करेंगे, वे भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकती हैं। इस दौरान नाम जोड़ने, हटाने या सुधार के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

एसआइआर : बेगूं में मतदाता सूची से 20 हजार और बड़ीसादड़ी में साढ़े 16 हजार नाम कटे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेगूं. भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद बेगूं विधानसभा क्षेत्र की नई ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस प्रक्रिया में करीब 20 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। वहीं, सुगम मतदान के लिए क्षेत्र में 46 नए पोलिंग बूथ भी बनाए गए हैं।निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी अंकित सामरिया ने बताया कि पुनरीक्षण से पहले क्षेत्र में 2 लाख 92 हजार 881 मतदाता थे। 4 नवंबर से 11 दिसंबर तक चले गणना चरण के बाद अब मतदाताओं की संख्या 2 लाख 72 हजार 921 रह गई है। कुल 19 हजार 960 नाम सूची से कम हुए हैं, जिसमें 4 हजार 942 मतदाता मृत व 13 हजार 154 मतदाता स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए। वहीं 1,143 नाम एक से अधिक जगह दर्ज थे।637 मतदाता अनुपस्थित मिले और 84 अन्य कारणों से हटाए गए।

निर्वाचन विभाग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए बूथों का पुनर्गठन भी किया है। जिन मतदान केंद्रों पर 1200 से अधिक मतदाता थे, उनका पुनर्विन्यास कर 46 नए बूथ सृजित किए गए हैं। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र में अब मतदान केंद्रों की कुल संख्या 314 से बढ़कर 360 हो गई है। एसडीएम ने बताया कि 16 दिसंबर को प्रकाशित इस प्रारूप सूची के संबंध में यदि किसी को आपत्ति है या कोई दावा पेश करना चाहता है, तो वह 15 जनवरी 2026 तक आवेदन कर सकता है। इस संबंध में एसडीएम कार्यालय में भाजपा और कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। राजनीतिक दलों के बूथ एजेंटों को उन मतदाताओं की सूची भी दिखाई गई जिनके गणना प्रपत्र (फॉर्म) प्राप्त नहीं हुए थे, ताकि प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनी रहे।

बड़ीसादड़ी. निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत बड़ीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन कर दिया गया है। शुद्धिकरण की इस कवायद में कुल 16 हजार 635 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रवीण कुमार मीणा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सूची के सेट सौंपे। उन्होंने बताया कि नाम हटाने से पहले बीएलओ ने संबंधित परिवारों से सहमति और हस्ताक्षर लिए हैं।

इस कारण हटाए गए नाम: चार हजार 892 मतदाता की मौत हो गई। नौ हजार 9,471 मतदाता अन्यत्र चले गए। 1,391 मतदाता के दो जगह नाम थे। वहीं 881 मतदाता अनुपस्थित मिले। मांड कलां, पाल व सरीपीपली के 1200 नाम बांसवाड़ा सूची में होने के कारण शिफ्ट किए गए।

मतदान केंद्रों में इजाफा: क्षेत्र में मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों की संख्या 307 से बढ़ाकर 344 कर दी गई है। अकेले बड़ीसादड़ी नगर पालिका क्षेत्र में तीन नए बूथ बढ़ाए गए हैं, जिससे यहां अब कुल 12 केंद्र हो गए हैं। कस्बे के 9 बूथों से कुल 811 नाम विलोपित किए गए हैं।

नए नाम जोड़ने का मौका: 15 जनवरी तक ऑनलाइन (वोटर हेल्पलाइन ऐप) या ऑफलाइन (बीएलओ के माध्यम से) फॉर्म-6 भरे जा सकते हैं। जो युवा 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

कपासन में 20 नए मतदान केंद्र बढ़े

कपासन. विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मंगलवार को प्रारूप का प्रकाशन किया गया। एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी राजेश सुवालका ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर सूची की प्रतियां सौंपी। सुवालका ने बताया कि क्षेत्र में अब 308 के स्थान पर 328 मतदान केंद्र होंगे। सृजित किए गए इन 20 नए केंद्रों के साथ ही उन्होंने नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया की जानकारी दी। बैठक में भाजपा के नंदकिशोर टेलर, कांग्रेस के ललित बोरीवाल और रालोपा के रतनलाल सेन मौजूद रहे।

क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ें विस्तृत खबर...

सर्वश्रेष्ठ बीएलओ सहित अन्य कर्मचारियों का हुआ सम्मान

लक्ष्मणगढ़. एसआइआर कार्य में जिले में विधानसभा के टॉप रहने पर बुधवार को अधिकारियों व कर्मचारियों ने जश्न मनाया। उपखंड अधिकारी मोहर सिंह व तहसीलदार फारूक अली के आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ बीएलओ अरविंद शर्मा, रवि मुद्गल व नरेन्द्र पुजारी सहित कुल 15 बीएलओ के साथ-साथ श्रेष्ठ. सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी सहायिका सहित अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने एसआइआर कार्य के लिए हर स्तर पर सहयोग करने वाले बीएलओ व कर्मचारियों का आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों व अधिकारियों ने सामूहिक भोज का आनंद भी लिया। कार्यक्रम में नगरपालिका ईओ नवनीत कुमावत, नायब तहसीलदार बाबूलाल जाट, नेछवा तहसीलदार रामचंद्र गुर्जर, एवीवीएनएल के अंधिशासी अभियंता हरिराम मूंड सहित समस्त बीएलओ, सुरपवाइजर व अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
डीडवाना कुचामन भास्कर 18-12-2025

बीएलओ और राजनीतिक प्रतिनिधियों की बैठक हुई

ठठाना मीठड़ी| कस्बे के ग्राम पंचायत मुख्यालय पर प्रथम मतदाता सूची प्रकाशन को लेकर बीएलओ व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग आयोजित की गई। सुपरवाइजर जगदीश प्रसाद ने बताया कि एसआईआर की प्रथम पुनरीक्षण मतदाता सूची प्रकाशन को लेकर मृतक, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्ट आदि का अवलोकन के लिए बीएलओ, राजनीतिक प्रतिनिधियों ,सरपंच कैलादेवी, विकास समिति अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, वार्ड पंच आदि शामिल हुए।

दैनिक भास्कर
फतेहपुर भास्कर 18-12-2025

सीकर

लक्ष्मणगढ़. बीएलओ के समय पर एसआई कार्य पूरा करने पर कार्यक्रम के दौरान खुशी के साथ डांस करते अधिकारी।

लक्ष्मणगढ़ में हुए सामूहिक स्नेह भोज में कार्मिकों के साथ उपखंड अधिकारी व अन्य कार्मिक भी नाचे

एसआईआर के पहले चरण की सफलता पर 30 बीएलओ सम्मानित

भास्कर न्यूज | लक्ष्मणगढ़

गहन पुनरीक्षण के पहले चरण की सफलता पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम व तहसीलदार की ओर से सभी बीएलओ व सुपरवाइजर्स की हौंसला अफजाई के लिए अपनी तरफ से सहभोज दिया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 बीएलओ व सुपरवाइजर्स को सम्मानित किया। बुधवार को स्थानीय सुरोलिया मैरिज गार्डन में हुए कार्यक्रम में एसडीएम मोहर सिंह मीणा, लक्ष्मणगढ़ तहसीलदार फारुख अली, नेछवा तहसीलदार रामचन्द्र गुर्जर आदि अधिकारियों ने एसआईआर के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले विधानसभा क्षेत्र के 30 बीएलओ व सुपरवाइजर्स को सम्मानित किया।

इस अवसर पर एसडीएम मोहर सिंह मीणा ने कहा कि गहन पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील राष्ट्रीय अभियान में बीएलओ, सुपरवाइजर्स तथा अन्य निर्वाचन कार्मियों ने जिस समर्पण, पारदर्शिता व संयम के साथ तय समय पर काम पूरा किया, उसके लिए सभी को बधाई। साथ ही उसी ऊर्जा, पारदर्शिता व लगन से दावे व आपत्तियों व शेष बचे मतदाताओं को भी जोड़ने की अपील की।एसडीएम ने बीएलओ व सुपरवाइजर्स को इंगित करते हुए कहा कि शुरू में आमजन में कुछ भ्रांतियां थी, लेकिन आप लोग ये समझाने में सफल रहे कि एसआईआर नाम हटाने के लिए नहीं, बल्कि नाम जोड़ने का अभियान है।

कार्यक्रम के बाद सामूहिक सहभोज हुआ। अधिकारियों ने बीएलओ व अन्य कार्मिकों के साथ डीजे पर जमकर डांस कर उनकी हौंसला अफजाई की। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के सभी 317 बीएलओ व सुपरवाइजर्स के अलावा निर्वाचन शाखा, उपखंड कार्यालय, तहसील कार्यालय के कार्मिक भी उपस्थित रहे। एसडीएम ऑफिस के राजपाल गोदारा, महिपाल सिंह, श्रवण सिंह, निर्वाचन शाखा के कुलदीप सिंह, अरविंद शर्मा, राजेश शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन महिपाल सिंह व सुभाष महला ने किया।

एसआईआर के बाद मतदाता सूची का प्रारूप जारी, आपत्तियां मांगी

सूरतगढ़ में 15529 मतदाता हटे, 52 बूथ बढ़े

शिवशंकर सारड़ा

सीमा सन्देश # सूरतगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (एसआईआर) के तहत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का प्रारूप मंगलवार को जारी कर दिया गया। इसके लिए घर-घर करवाए सघन सर्वे के दौरान 15 हजार से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं जबकि मतदान केंद्रों की संख्या 52 बढ़ाकर 304 कर दी गई है। जानकारी अनुसार पुनरीक्षण से पहले विधानसभा क्षेत्र के दर्ज 2 लाख 73 हजार 253 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे। उपखंड कार्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक चले गणना चरण में 2 लाख 57 हजार 724 मतदाताओं ने अपने प्रपत्र भरकर जमा किए, जिनके नाम प्रारूप सूची में शामिल किए गए हैं। वहीं 15 हजार 529 मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त नहीं होने पर उनके नाम सूची से बाहर कर दिए गए। इनमें 4 हजार 549 मृत, 6 हजार 195 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 3 हजार 601 अनुपस्थित, 1101 एकाधिक पंजीकरण वाले व 83 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। अप्राप्त प्रपत्रों की सूची मुख्य निर्वाचन

अधिकारी राजस्थान की वेबसाइट व जिला वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा यह सूची मतदान केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों व नगरीय निकाय कार्यालयों में भी चस्पा की जा रही है ताकि आमजन उसका अवलोकन कर सकें।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 6 दिसंबर को प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल ऑफिसर ने राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स के साथ बैठक आयोजित की। इन बैठकों में अप्राप्त प्रपत्रों की सूची व कारण साझा किए गए। बैठक की कार्यवाही व सूची जिला वेबसाइट पर अपलोड की गई है। मान्यता प्राप्त दलों की बैठक में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष परसराम भाटिया, भाजपा से सुरेश कुमार मिश्रा व बसपा से सन्नी फूलका शामिल हुए। उन्हें प्रारूप सूची की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करवाने के साथ दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

पुनरीक्षण के दौरान 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन कर 52 नए मतदान केंद्र सृजित किए गए हैं। पहले जहां 252 मतदान केंद्र थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 304 हो गई है। इससे मतदाताओं की भीड़ कम होगी और मतदान प्रक्रिया सुचारू रहेगी इस बीच नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए भी अच्छी प्रगति हुई है। इस अवधि में 575 ऑनलाइन ल 560 ऑफलाइन फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया पूर्ण कर मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। नागरिक वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर सर्विस पोर्टल या बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 भर सकते हैं। जो युवा 1 अप्रैल, 1 जुलाई या 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करेंगे, वे भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकती हैं। इस दौरान नाम जोड़ने, हटाने या सुधार के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम • राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया बताई

सूरतगढ़ विस में 15529 मतदाताओं ने परिगणना परिपत्र जमा नहीं करवाए, इनमें 1101 दोहरे वोट

सूरतगढ़। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित कर दिया। इस पर 15 जनवरी तक दावे व आपत्तियां पेश की जा सकेंगी।

पुनरीक्षण से पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 273253 मतदाता मतदाता सूची में दर्ज थे। एसडीएम कार्यालय से जारी आंकड़ों के अनुसार 11 दिसंबर तक चले अभियान में 257724 मतदाताओं ने परिगणना परिपत्र जमा करवा दिए। ऐसे में उनके नाम प्रारूप सूची में शामिल कर लिए। जबकि 15529 मतदाताओं के परिगणना परिपत्र नहीं मिले। इनमें 4549 मृत मतदाता, 6195 स्थायी रूप से स्थानांतरित और 3601 अनुपस्थित हैं, 1101 एकाधिक पंजीकरण वाले व 83 अन्य मतदाता शामिल हैं। जो परिगणना परिपत्र वापस जमा नहीं हुए उनकी विस्तृत सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान की वेबसाइट व जिला वेबसाइट पर जारी की गई है। चुनाव शाखा के जितेंद्र सिंगाठिया ने बताया कि यह सूची मतदान केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों व नगरीय निकाय कार्यालयों में चस्पा भी की है, ताकि आमजन इसका अवलोकन कर सके।

एसडीएम भरत जगदीश मीना ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक कर प्रारूप सूची की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करवाई। इसके साथ ही दावे-आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। इस संबंध में हुई बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी विनोद कड़वासरा, एसआर विनोद गोदारा व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पसराम भटिया, भाजपा के सुरेशकुमार मिश्रा व बसपा से सत्री फूलका उपस्थित थे।

नाम जोड़ने व काटने, सुधार के लिए आवेदन 15 जनवरी तक

विधानसभा क्षेत्र में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन कर 52 नये मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अब बूथों की संख्या 252 से बढकर 304 हो गई। नये वोट बनाने के लिए 575 ऑनलाइन व 560 ऑफलाइन फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। नए नाम प्रक्रिया पूरी कर सूची में जोड़े जाएंगे। दावे व आपत्तियां 15 जनवरी 2026 तक पेश की जा सकेंगी। नाम जोड़ने, हटाने या सुधार के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। इसकी सात्ताहिक सूची राजनीतिक दलों से साझा की जाएगी। ईआरओ के निर्णय के खिलाफ 15 दिन में जिला मजिस्ट्रेट व 30 दिनों में मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अपील की जा सकती है। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

श्रीकरणपुर: 37 नए बूथ बनाए, संख्या 288 हुई, सूची से 10040 नाम हटाए

श्रीकरणपुर। विधान सभा क्षेत्र की फोटो युक्त मतदाता सूचियां की विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत एसआईआर की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया। एसडीएम श्योराम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को साथ बैठक कर उन्हें मतदाता सूची उपलब्ध करवाई।

विधानसभा क्षेत्र के 10040 एएसडी वोट सूची से हटाए गए हैं। डोर टू डोर बार-बार बीएलओ के सर्वे के बावजूद यदि किसी सही मतदाता का नाम इस सूची में शामिल होने से रह गया या किसी को नया नाम जुड़वाना हो तो 15 जनवरी 2026 तक दावा प्रस्तुत कर सकता। बैठक में भाजपा के पवन पपनेजा, अशोक कुमार गरुडा , रमेश कुमार छाबड़ा, कांग्रेस की ओर से प्रदीप सुमन, दीपक अग्रवाल,दर्शन सिंह,अमृतपाल सिंह ,वकील सिंह, बनवारी लाल, देवेंद्र, जगदीश , शेर सिंह तथा सीपीएम ओर से केवल सिंह उपस्थित थे।

गहन पुनरीक्षण के तहत विधानसभा क्षेत्र में अब बूथ 251 से बढ़कर 288 हो गए। पहले कई बूथों पर 1400 से अधिक मतदाता थे, अब विधानसभा क्षेत्र में न्यूनतम 300 व अधिकतम 1200 मतदाता का पोलिंग बूथ होगा। विधानसभा क्षेत्र में पहले 249721 मतदाता थे, इनमें से मृतक, स्थानांतरित दोहरी प्रविष्टि आदि वाले 10040 मत हटाने के बाद अब सूची में कुल 239681 मतदाता रह गए। इनमें 238134 मतदाताओं का 99.36 प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया गया है।

दैनिक भास्कर उदयपुर 18-12-2025

-: नव मतदाता पंजीकरण :-

भारत निर्वाचन आयोग का सभी पात्र नागरिकों से मतदाता पंजीकरण हेतु आह्वान

कैसे ? फार्म-6 एवं घोषणा-पत्र भरकर

कौन आवेदन कर सकता है ?

- दिनांक 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष और अधिक आयु के भारतीय नागरिक
- उस विधानसभा क्षेत्र का सामान्यतः निवासी
- अन्य कहीं भी किसी मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं

1 अप्रैल,1 जुलाई अथवा 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा भी मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने के लिए फार्म-6 के माध्यम से अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन कैसे करें ?

ऑनलाइन आवेदन

ECINET App द्वारा

- ECINET App डाउनलोड करें
- अपना मोबाईल नम्बर और प्राप्त OTP डालकर रजिस्टर करें
- Voter Services सेक्शन पर जाएं
- Voter Registration पर क्लिक करें
- फार्म–6 घोषणा–पत्र (Annexure-IV) के साथ भरें

Voters Portal द्वारा

- https://voters.eci.gov.in पर जाएं
- मोबाईल नम्बर एवं प्राप्त OTP से Signup करें
- New Voter Registration Tab पर क्लिक करें तथा फॉर्म–6 एवं घोषणा–पत्र(Annexure-IV) भरें

ऑफलाईन आवेदन

- फॉर्म–6 व घोषणा पत्र अपने BLO से प्राप्त करें एवं भरकर उसी को जमा करावें
- फॉर्म–6 व घोषणा पत्र https://election.rajasthan.gov.in/ से भी डाउनलोड किया जा सकता है

राजस्थान संवाद

Follow us on: CEORAJASTHAN

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान
https://election.rajasthan.gov.in/

हेल्पलाइन 1950

fb.com/ECI @ecieveep youtube.com/eci Election Commission of India @ecieveep Election Commission of India

Scanned with OKEN Scanner

मतदाता सूची में नाम एक क्लिक में सामने आएगा

नहीं होंगे 12 सौ से ज्यादा मतदाता, जिले में अब 2258 मतदान केंद्र

पत्रिका डेटा डीकोडेड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआइआर) का चुनाव के दौरान लाभ यह होगा कि मतदाताओं को वोट देने के लिए लंबी लाइन में इंतजार नहीं करना होगा। मतदान बूथों पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे। मतदान केंद्रों की संख्या में इजाफा होगा। उदयपुर में 2258 मतदान केंद्र की होंगे।

चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों के बाहर मतदाता सूची के लिए काफी समय इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में आयोग एसआइआर के जरिए यह व्यवस्था भी करने की तैयारी में है कि चुनावों में पर्ची ऑनलाइन मिले या फिर मतदान केंद्र के बाहर बैठने वाले बीएलओ एक क्लिक में संबंधित व्यक्ति की आइडी देखकर उसे पर्ची दे सकेंगे। पर्ची आसानी से मिलेगी तो सीधे मतदान केंद्र पर जाकर मतदाता वोट डाल पाएंगे। चुनावों में लंबी लाइन लगती हैं, लेकिन मतदाताओं की संख्या अब 1200 से अधिक नहीं होगी, जिससे लोगों को राहत मिल जाएगी।

यों बढ़े केंद्र

जिले की 7 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की सुविधा के लिए 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का भी पुनर्गठन किया गया। पूर्व में जिले में 1936 मतदान केन्द्र थे, लेकिन मतदाताओं की संख्या के लिहाज से बूथों की संख्या बढ़कर अब 2258 हो गई। जिला प्रशासन के मुताबिक अब लोगों को वोट देने के लिए अधिक देर तक इंतजार नहीं करना होगा। हालांकि अभी आपत्तियां आदि दायर होंगी, तो कुछ नाम और जोड़े जा सकते हैं।

विधानसभावार बूथ

विधानसभा	पहले	नवीन	अब
गोगुंदा	287	41	328
झाड़ोल	296	59	355
खेरवाड़ा	326	37	363
उदयपुर ग्रामीण	265	57	322
उदयपुर शहर	217	36	253
मावली	264	35	299
वल्लभनगर	281	57	338
कुल	**1936**	**322**	**2258**

Scanned with OKEN Scanner

udaipur express

नोटिस पर भी कार्यग्रहण नहीं करने वाले 4 बीएलओ के निलम्बन की कार्यवाही प्रस्तावित की

उदयपुर (कासं)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जितेन्द्र ओझा ने नवगठित मतदान केन्द्रों के बीएलओ के रूप में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 4 कार्मिकों के विरूद्ध कार्यवाही के प्रस्ताव जिला कलक्टर को प्रेषित किए हैं।

ओझा ने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन कर शहर विधानसभा क्षेत्र में 36 नये मतदान केन्द्र गठित किए गए हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी कार्य हेतु नियुक्त बीएओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर नोटिस देकर पाबंद किया था। इसके बावजूद गुरुवार तक कार्यभार नहीं ग्रहण करने वाले शिक्षा विभाग के 4 कार्मिकों तृप्ति दवे, समीरा कुरैशी, भावना भगनानी एवं कुसुमलता बडगुर्जर को विशेष गहन पुनरीक्षण के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उदासीनता बरतने का दोषी पाया गया है। इन सभी के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक एवं निलम्बन की कार्यवाही के प्रस्ताव जिला कलक्टर को प्रेषित किए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

4 बीएलओ पर लटकी निलंबन की तलवार

उदयपुर, 17 दिसम्बर (पंजाब केसरी): निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जितेन्द्र ओझा ने नवगठित मतदान केन्द्रों में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले चार बीएलओ कार्मिकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव जिला कलक्टर को भेजे हैं।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शहर विधानसभा क्षेत्र में 36 नए मतदान केन्द्र गठित किए गए। इन केन्द्रों पर नियुक्त बीएओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यभार ग्रहण करने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन शिक्षा विभाग की तृप्ति दवे, समीरा कुरैशी, भावना भगनानी और कुसुमलता बडगुर्जर ने गुरुवार तक उदासीनता दिखाई। ओझा ने बताया कि ये चारों कर्मचारियों विशेष गहन पुनरीक्षण के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, इसलिए उन्हें दोषी मानते हुए नियमानुसार निलंबन समेत अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव भेजे गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

कार्यग्रहण नहीं करने वाले 4 बीएलओ के निलम्बन की कार्यवाही प्रस्तावित की

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) श्री जितेन्द्र ओझा ने नवगठित मतदान केन्द्रों के बीएलओ के रूप में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 4 कार्मिकों

के विरूद्ध कार्यवाही के प्रस्ताव जिला कलक्टर को प्रेषित किए हैं। ओझा ने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन कर शहर विधानसभा क्षेत्र में 36 नये मतदान केन्द्र गठित किए गए हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी कार्य हेतु नियुक्त बीएओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर नोटिस देकर पाबंद किया था। इसके बावजूद गुरुवार तक कार्यभार नहीं ग्रहण करने वाले शिक्षा विभाग के 4 कार्मिकों तृप्ति दवे, समीरा कुरैशी, भावना भगनानी एवं कुसुमलता बडगुर्जर को विशेष गहन पुनरीक्षण के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उदासीनता बरतने का दोषी पाया गया है। इन सभी के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक एवं निलम्बन की कार्यवाही के प्रस्ताव जिला कलक्टर महोदय को प्रेषित किए गए हैं।

दैनिक नवज्योति
Udaipur City - 18 Dec 2(

बीएलओ के निलम्बन की कार्रवाई प्रस्तावित

उदयपुर। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जितेन्द्र ओझा ने नवगठित मतदान केन्द्रों के बीएलओ के रूप में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 4 कार्मिकों के विरूद्ध कार्रवाई के प्रस्ताव कलक्टर को प्रेषित किए हैं। ओझा ने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन कर शहर विधानसभा क्षेत्र में 36 नए मतदान केन्द्र गठित किए गए हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी कार्य के लिए नियुक्त बीएओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर नोटिस देकर पाबंद किया था। इसके बावजूद गुरुवार तक कार्यभार नहीं ग्रहण करने वाले शिक्षा विभाग के 4 कार्मिकों तृप्ति दवे, समीरा कुरैशी, भावना भगनानी एवं कुसुमलता बडगुर्जर को विशेष गहन पुनरीक्षण के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उदासीनता बरतने का दोषी पाया गया है। इन सभी के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक एवं निलम्बन के प्रस्ताव कलक्टर को प्रेषित किए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक नवज्योति
Udaipur City - 18 Dec 2(

चार बीएलओ के निलम्बन की कार्रवाई प्रस्तावित

ब्यूरो नवज्योति,उदयपुर। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जितेन्द्र ओझा ने नवगठित मतदान केन्द्रों के बीएलओ के रूप में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 4 कार्मिकों के विरूद्ध कार्रवाई के प्रस्ताव कलक्टर को प्रेषित किए हैं। ओझा ने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन कर शहर विधानसभा क्षेत्र में 36 नए मतदान केन्द्र गठित किए गए हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी कार्य के लिए नियुक्त बीएओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर नोटिस देकर पाबंद किया था। इसके बावजूद गुरुवार तक कार्यभार नहीं ग्रहण करने वाले शिक्षा विभाग के 4 कार्मिकों तृप्ति दवे, समीरा कुरैशी, भावना भगनानी एवं कुसुमलता बडगुर्जर को विशेष गहन पुनरीक्षण के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उदासीनता बरतने का दोषी पाया गया है। इन सभी के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक एवं निलम्बन के प्रस्ताव कलक्टर को प्रेषित किए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

राजस्थान पत्रिका 18.12.2025

प्रारूप मतदाता सूची में 48947 पुरुष और 56663 महिला मतदाता हटी

प्रारूप मतदाता सूची में पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं के ज्यादा नाम हटे

आपत्तियों का विकल्प अब भी है खुला, जुड़ेंगे मतदाता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चूरू. गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ होने से पहले 6 विधानसभाओं में 16 लाख 90 हजार 798 मतदाताओं वाले चूरू जिले की मतदाता सूचियों के गत दिवस किए गए प्रारूप मतदाता सूची के बाद जिले में अब मतदाताओं की संख्या 15 लाख 95 हजार 187 आई है जिनमें सर्वाधिक नाम महिला मतदाताओं के हटे हैं।

जिले में 48 हजार 947 पुरुष मतदाताओं के नाम हट गए हैं तथा 56 हजार 663 महिला मतदाताओं के नाम हट गए हैं। इस तरह जिले में पुनरीक्षण के प्रारंभिक कार्य के बाद मतदाता सूचियों के प्रारूप में 95 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम हट गए हैं।

हालांकि अभी आपत्तियां और दावे का विकल्प अब भी खुला है। इसलिए वंचित रहे मतदाता दावा प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके अलावा वर्ष 2026 में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नव मतदाताओं के नाम भी जुड़ने हैं। इसलिए आयोग की ओर से निर्धारित तिथि 14 फरवरी 2026 को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन करना प्रस्तावित है।

सादुलपुर से सबसे कम 11458 मतदाता हट

मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण पूर्व जिले में 8 लाख 78 हजार 589 पुरुष, 8 लाख 12 हजार 197 महिला मतदाता एवं 12 तृतीय लिंग मतदाता थे। प्रारूप मतदाता सूचियों के अनुसार अभी फिलहाल मतदाताओं की संख्या घटी है जिसमें महिला मतदाताओं के नाम ज्यादा हटे हैं। अक्टूबर में प्रकाशित प्रारूप के अनुसार जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 31 हजार 329 पुरुष व 1 लाख 22 हजार 868 महिला, 1 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 2 लाख 54 हजार 198 मतदाता थे जिनमें अब प्रारूप मतदाता सूची में सादुलपुर में 1 लाख 26 हजार 861 पुरुष, 1 लाख 15 हजार 878 महिला मतदाताओं सहित कुल मतदाता संख्या 2 लाख 42 हजार 740 शामिल हैं और 11 हजार 458 मतदाताओं के नाम हट गए हैं।

सरदारशहर से हटे सर्वाधिक मतदाता

सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में 1लाख 65 हजार 002 पुरुष, 1 लाख 49 हजार 988 महिला व 3 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 3 लाख 14 हजार 993 मतदाता थे जिनमें अब पुनरीक्षण के बाद 1 लाख 55 हजार 709 पुरुष तथा 1 लाख 38 हजार 207 महिला मतदाता सहित कुल मतदाता 2 लाख 93 हजार 918 हैं। जिले में सरदारशहर विधानसभा में सर्वाधिक 21 हजार 075 मतदाता हटे हैं। तारानगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 40 हजार 824 पुरुष, 1 लाख 29 हजार 585 महिला व 3 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 2 लाख 70 हजार 412 मतदाता थे जिनमें अब कुल मतदाताओं की संख्या 2 लाख 56 हजार 557 में पुरुष 1 लाख 35 हजार 519 तथा 1 लाख 21 हजार 035 महिला मतदाता शामिल हैं। यहां 13 हजार 855 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। वहीं चूरू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 35 हजार 785 पुरुष, 1 लाख 28 हजार 350 महिला व 2 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 2 लाख 64 हजार 137 मतदाता थे। अब नए प्रारूप के बाद चूरू में कुल 2 लाख 49 हजार 228 मतदाताओं में पुरुष 1 लाख 30 हजार 157 तथा 1 लाख 19 हजार 069 महिला मतदाता शामिल हैं। यहां 14 हजार 909 मतदाताओं के नाम हट गए हैं।

रतनगढ़ में 15 हजार के हटे नाम

रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 48 हजार 438 पुरुष, 1 लाख 37 हजार 181 महिला व 1 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 2 लाख 85 हजार 620 मतदाता थे। पुनरीक्षण के बाद प्रारूप में यहां रहे कुल 2 लाख 69 हजार 952 में पुरुष 1 लाख 42 हजार 171 तथा 1 लाख 27 हजार 780 महिला मतदाता शामिल हैं। यहां 15 हजार 668 मतदाताओं के नाम हट गए हैं। पहले सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 57 हजार 211 पुरुष, 1 लाख 44 हजार 225 महिला व 2 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 3 लाख 01 हजार 438 मतदाता थे। नए प्रारूप के बाद यहां रहे कुल 2 लाख 82 हजार 792 मतदाताओं में 149225 पुरुष तथा 13365 महिला मतदाता शामिल हैं। जबकि यहां 18646 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

मतदान केंद्रों का पुर्नगठन

निर्वाचन विभाग के अनुसार जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की सुविधा के लिए 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुर्नगठन किया गया। इससे पहले जिले में 1565 मतदान केंद्र थे।

15 जनवरी तक आपत्तियां

आयोग की ओरे से जारी कार्यक्रम अनुसार 16 दिसम्बर से शुरू हुए दावे और आपत्तियां प्राप्त का कार्य 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं के संबंध में अथवा अन्यथा भी मतदाता सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती है। संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दावे एवं आपत्तियों के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची निर्धारित बी में तैयार की जाएगी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रति सप्ताह प्राप्त होने वाले दावे एवं आपत्तियां की सूचियां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से साझा करेंगे। इसी क्रम में आयोग की ओर से निर्धारित तिथि 14 फरवरी 2026 को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

5 राज्यों ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, 1 करोड़ से ज्यादा नाम कटे, ये कुल मतदाताओं का 7.6 प्रतिशत

चुनाव आयोग के कराए गए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (ैप्ट, सामान्य शब्दों में वोटर वेरिफिकेशन) के बाद मंगलवार को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या में 7.6□ की कमी दर्ज की गई है।

आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को ैप्ट की घोषणा के समय जहां इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे, वहीं ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई है। यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं।

बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी।

ैप्ट का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही गोवा और लक्षद्वीप में भी आज वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा।

राजस्थान में 41.85 लाख वोटर्स के नाम काटे गए

राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्ट) की ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के साथ एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और ऑलरेडी एनरोल्ड लिस्ट दी गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है।

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- जिन वोटर्स के नाम हटाए हैं, उन्हें अब कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। अगर उन्हें आपत्ति है तो वे दस्तावेज देकर दावा पेश कर सकते हैं। इसमें परमानेंट शिफ्ट वोटर्स, डेड वोटर्स, एब्सेंट और डुप्लीकेट वोटर के नाम हटाए गए हैं। पूरी खबर पढ़ें...

पश्चिम बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक **श्यामसुन्दर डावाणी**
सदर बाजार, जैसलमेर द्वारा मुद्रित, **सम्पाद**

दैनिक भास्कर

सवाई माधोपुर 18-12-2025

एसआईआर : वोटर लिस्ट की छंटनी, जिले में मृत व दोहरे नाम हटे, 9 हजार से ज्यादा को नोटिस

मतदाता सूची से 82 हजार बाहर, पलायन और मौतें बनी वजह, बदलेगा वोटिंग गणित

कास | सवाईमाधोपुर

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूचियां मंगलवार को प्रकाशित कर दी गई हैं। इन सूचियों के अनुसार जिले में 5 हजार 796 मतदाताओं के दो जगह नाम जुड़े होना सामने आया है। वहीं 14 हजार 879 मतदाताओं की मौत हो चुकी है तथा 2002 से पहले के दस्तावेज देने के लिए 9 हजार 453 मतदाताओं को निर्वाचन विभाग की ओर से नोटिस दिए जाएंगे।

एसआईआर शुरु होने से पूर्व 10 लाख 54 हजार 343 थे मतदाता : जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार एसआईआर-2026 कार्य के प्रारम्भ होने से पहले जिला सवाई माधोपुर में कुल मतदाताओं की संख्या 10 लाख 54 हजार 343 थी, जिनको गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं।

82 हजार 566 मतदाताओं के गणना-प्रपत्र अप्राप्त रहे : निर्वाचन विभाग के अनुसार गणना चरण के दौरान जिले में कुल 82 हजार 566 मतदाताओं के गणना-प्रपत्र अप्राप्त रहे। अप्राप्त गणना-प्रपत्रों में मृत 14 हजार 879, स्थायी रूप से स्थानान्तरित 53 हजार 70, अनुपस्थित 8 हजार 813, एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत 5 हजार 796 तथा अन्य 8 हैं।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के तहत प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूचियों के अनुसार जिले में कुल 9 लाख 71 हजार 777 मतदाता हैं, जिनमें 5 लाख 21 हजार 764 पुरुष व 4 लाख 50 हजार 8 महिला तथा थर्ड जेंडर 5 शामिल हैं। गंगापुर सिटी विधान सभा में 2 लाख 50 हजार 299, जिनमें एक लाख 34 हजार 640 पुरुष, एक लाख 15 हजार 686 महिला, 3 थर्ड जेंडर शामिल है। इसी प्रकार सवाईमाधोपुर विधान सभा में कुल दो लाख 39 हजार 183 मतदाता है, जिनमें एक लाख 27 हजार 918 पुरुष, 1 लाख 11 हजार 264 महिला, एक थर्ड जेंडर, बामनवास में कुल मतदाता दो लाख 36 हजार 272 हैं, जिनमें 1 लाख 27 हजार 883 पुरुष, एक लाख 8 हजार 389 महिला, थर्ड जेंडर एक तथा खण्डार विधानसभा में कुल मतदाता दो लाख 46 हजार 23 हैं, जिनमें एक लाख 31 हजार 354 पुरुष, एक लाख 14 हजार 669 महिला मतदाता शामिल हैं। तस्वीर साफ होते ही वोटिंग गणित भी बदलने की संभावना बन गई।

दैनिक भास्कर
सवाई माधोपुर 18-12-2025

उपखण्ड क्षेत्र बौंली में 23 नए मतदान केंद्र बने

भास्करन्यूज | बौंली

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपजिला कलेक्टर बामनवास द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बामनवास में 47 मतदान केंद्र नव सृजित किए गए हैं। इन नव सृजित मतदान केंद्रों में से 23 मतदान केंद्र बौंली उपखंड क्षेत्र में बढ़ाए गए हैं। पूर्व में उपखंड क्षेत्र बौंली में 104 मतदान केंद्र थे जो अब 127 हो गए हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी बामनवास द्वारा उपखंड क्षेत्र बौंली में राउमावि कमरा नंबर 2 नान तोड़ी, राप्रावि कमरा नंबर 2 कुटका, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कमरा नंबर 2 घाटा नैनवाड़ी, राउमावि कमरा नंबर 2 गोतोड़, राउमावि कमरा नंबर 2 पीलूखेड़ा, राउमावि कमरा नंबर 2 धौरला, राउमावि कमरा नंबर 2 भेड़ौली, राउमावि कमरा नंबर 2 कुशलपुरा,राउमावि कमरा नंबर 2 मोरन, राउमावि कमरा नंबर 2 गूगडोद, राउप्रावि कमरा नंबर 2 कुआं गांव, राउप्रावि कमरा नंबर 2 थड़ी, राउमावि कमरा नंबर 4 पीपल्दा नवीन भवन, राउमावि कमरा नंबर 3 जस्टाना, राउमावि कमरा नंबर 3 बौली, राप्रावि गालद खुर्द, राउमावि कमरा नंबर 2 बास टोरडा, राप्रावि भीपुरा, राउमावि कमरा नंबर 2 शीशोलाव, राउमावि कमरा नंबर 3 पीपलवाड़ा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कमरा नंबर 3 बागडोली, राउमावि कमरा नंबर 2 बंधावल पुराना भवन तथा राउमावि कमरा नंबर 2 हथडोली को मतदान केंद्र बनाया गया है। नवीन मतदान केंद्र बन जाने से संबंधित गांवों के मतदाताओं को सुविधा मिलेगी साथ ही भीड़ से निजात मिलेगी।

इस संबंध में बौली के सहायक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं तहसीलदार दिनेश चंद मीना ने बताया कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपजिला कलेक्टर बामनवास प्रियंका कंडेला द्वारा विधानसभा क्षेत्र बामनवास में 47 नवीन मतदान केंद्र सृजित किए गए हैं जिनमें 23 उपखंड क्षेत्र बौंली के है।

रोल पर्यवेक्षक रहेंगी पाली जिले के भ्रमण पर

(मरूनाद न्यूज) पाली, 17 अगस्त।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के दौरान रोल पर्यवेक्षक जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह पाली जिले के भ्रमण पर रहेंगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंगसिंह ने बताया कि रोल पर्यवेक्षक 24 व 25 दिसम्बर को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करेंगी। इसी प्रकार 27 दिसम्बर को सोजत विधानसभा क्षेत्र एव 30 दिसम्बर को पाली विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करेगी।

रोल पर्यवेक्षक आएंगी पाली

पाली @ पत्रिका. विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत रोल पर्यवेक्षक जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह पाली आएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंगसिंह ने बताया कि रोल पर्यवेक्षक 24 व 25 दिसम्बर को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करेगी। वे 27 दिसम्बर को सोजत विधानसभा क्षेत्र एवं 30 दिसम्बर को पाली विधानसभा क्षेत्र में रहेंगी।

2 लाख 91 हजार 324 मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल

सुमेरपुर विधानसभा में 29 हजार 93 मतदाताओं के नाम हटे, 47 मतदान केन्द्र बढ़े

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सुमेरपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर-121 में मतदाता सूची के गणना चरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2025 को घोषित किया गया था, जिसके अंतर्गत 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण व संग्रहण किया गया। इसे लेकर मंगलवार शाम को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कुम्हार व एसडीएम कालूराम कुम्हार की अध्यक्षता में आयोग के निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में प्रारूप मतदाता सूची की एक हार्ड व एक सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध करवाई गई।

29,093 मतदाताओं के गणना प्रपत्र रहे अप्राप्त

आरओ ने बताया कि गणना चरण में कुल 29,093 मतदाताओं के गणना प्रपत्र अप्राप्त रहे। इनमें 5,673 मृत, 18,038 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 3,415 अनुपस्थित, 1,475 मतदाता सूची में एकाधिक स्थान पर पंजीकृत तथा 492 अन्य श्रेणी में शामिल हैं। अप्राप्त गणना प्रपत्रों की सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान एवं पाली जिले की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है। यह सूची मतदान केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों एवं नगरीय निकाय कार्यालयों पर भी चस्पा की गई है।

सुमेरपुर में 6 नए मतदान केन्द्र सृजित, कुल 47 बढ़े

मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन किया गया। पूर्व में विधानसभा क्षेत्र में 295 मतदान केंद्र थे, जिन्हें पुनर्गठित कर 47 नए मतदान केंद्र बनाए गए। वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र में कुल 342 मतदान केंद्र हो गए हैं। सुमेरपुर नगर में 6 बढ़कर 28, सुमेरपुर ग्रामीण में 25 बढ़कर 155, तखतगढ़ शहर में 2 बढकर 13, पाली में 6 बढ़े हुए 109 व रानी में 8 मतदान केन्द्र बढ़े। जिससे संख्या बढ़कर 37 हुई।

बीएलओ व बूथ एजेंटों की बैठकें

गणना चरण के दौरान 6 से 8 दिसंबर 2025 तक प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। इनमें अप्राप्त गणना प्रपत्रों की सूची कारण सहित उपलब्ध करवाई गई। इन बैठकों की कार्यवाही एवं सूचियां जिले की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई हैं।

नए मतदाताओं के पंजीकरण जारी

इस अवधि में 83 फॉर्म-6 ऑनलाइन तथा 660 फॉर्म-6 ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं, जिनका नाम निर्धारित प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। फॉर्म-6 प्राप्त करने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। 1 अप्रैल, 1 जुलाई अथवा 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा भी अग्रिम रूप से फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

देवली उपखंड में अब 193 मतदान केंद्र हुए, बीएलओ की भी नियुक्ति

देवली. निर्वाचन विभाग ने अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से देवली उपखंड अंतर्गत 29 नए मतदान बूथों का गठन किया है। इसके साथ ही क्षेत्र में बूथों की संख्या 164 से बढ़कर अब 193 हो गई है। कई बूथों पर निर्धारित सीमा से अधिक मतदाता होने के कारण मतदान दिवस पर लंबी कतारें लगती थीं और मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसे ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के साथ-साथ नए बूथों का निर्माण किया है तथा उन पर बीएलओ की भी नियुक्ति की गई है। उपखंड अंतर्गत नए बूथ राउमावि नासिरदा (पूर्वी भाग), राउमावि थांवला (कमरा नं. 4), राउमावि बीजवाड़ (कमरा नं. 3), राउप्रावि रामथला (कमरा नं. 2), राउमावि मालेड़ा (कमरा नं. 9), राउमावि पुनर्वास कॉलोनी डाबरकला (कमरा नं. 16), राजमहल विद्यालय (लाइब्रेरी के पास कमरा नं. 2), कासीर, राप्रावि बोयड़ा, राउमावि देवली गांव (कमरा नं. 3), नगर पालिका कार्यालय पुराना भवन, पीएमश्री विद्यालय देवली (कमरा नं. 8), स्कूल कालानाड़ा, संथली, पोल्याड़ा, चांदली की झोपड़ियां, सीतापुरा, आवां, बंथली, सरोली, जलेरी, मुगलाना, दूनी, टोकरावास उनियारा, खरोई, घाड़, धुवांकला और रामसागर में बनाए गए हैं।

एसआईआर के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के नव मतदाता के लिए कलस्टर कैम्प आयोजित कर मतदाता सूची में किया जाएगा पंजीकरण

अलवर (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के अंतर्गत मतदाता सूची में 18 वर्ष से अधिक आयु के युवा एवं महिला, विशेष योग्यजन, ट्रांसजेंडर इत्यादि पात्र मतदाताओं का मतदाता सूची में शत-प्रतिशत पंजीकरण करने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि एसआईआर के अंतर्गत 'कोई भी पात्र मतदाता न छूटे' की संकल्पना के तहत समाज के वंचित वर्गों एवं समाज की मूल धारा में जुडने से शेष रहे वर्गों पर विशेष जोर देते हुए समावेशी मतदाता पंजीकरण का लक्ष्य प्राप्त किया जाना है, जिसके तहत एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दावे एवं आपत्तियों के चरण के मध्य 15 जनवरी 2026 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन अर्हता दिनांक 1 जनवरी 2026 के आधार पर 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नव मतदाताओं का पंजीकरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि युवाओं को मतदाता सूची से जोडने के लिए 22 व 23 दिसम्बर 2025 को जिले की स्कूल व कॉलेजों में ईएलसी के माध्यम से नव मतदाता पंजीकरण, 29 दिसम्बर को समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए मतदाता कलस्टर कैम्प, 6 जनवरी 2026 को डोर टू डोर सर्वे कर ट्रांसजेंडर एवं ईआरओ द्वारा चिन्हित स्थानों पर पीवीटीजी, डिनोटिफाइड ट्राइब, नोमेडिक व सेमी नोमेडिक कम्युनिटी के शेष रहे व्यक्तियों का पंजीकरण तथा 10 जनवरी को नव विवाहित महिलाओं का समस्त मतदान केंद्रों पर पंजीकरण किया जाएगा।

जिले में मतदान केन्द्रों की संख्या 1134 पहुंची

राजसमंद में 'लोकतंत्र' को मिला नया रूप, बूथों पर 1200 से ज्यादा मतदाता नहीं

राजसमंद. आगामी चुनावों में राजसमंद जिले के मतदाताओं को एक बड़ी राहत मिलने जा रही है। अब न तो मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें दिखेंगी और न ही मतदाता सूची में नाम ढूंढने की जद्दोजहद करनी पड़ेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत चुनाव आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है, जिससे मतदान प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सुगम, तेज और पारदर्शी हो जाएगी।

जिले में कुल 8.91 लाख से अधिक मतदाता

राजसमंद जिले में कुल 8,91,914 मतदाता हैं, जो चार विधानसभा क्षेत्रों में इस प्रकार विभाजित हैं–

विधानसभा	मतदाता
भीम	2,21,857
कुंभलगढ़	2,16,250
राजसमंद	2,20,941
नाथद्वारा	2,32,866
कुल	8,91,914

हर बूथ पर सीमित मतदाता, कम होगी भीड़

अब एक मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। इसी के चलते जिले में मतदान केंद्रों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां राजसमंद में 988 मतदान केंद्र थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 1134 हो गई है। इसका सीधा फायदा यह होगा कि मतदाताओं को वोट डालने के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

लोकतंत्र की ओर एक मजबूत कदम

मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाना, भीड़ कम करना और डिजिटल सुविधाओं को जोड़ना–ये सभी कदम मतदाता अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में अहम हैं। साफ है कि इस बार राजसमंद में वोट देना न केवल आसान होगा, बल्कि तेज और व्यवस्थित भी। लोकतंत्र के इस नए स्वरूप से मतदाताओं का उत्साह भी बढ़ना तय है।

जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में बदला नक्शा

मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले की चारों विधानसभा सीटों में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का पुनर्गठन किया गया है। इसके बाद बूथों की संख्या में यह बढ़ोतरी हुई–

विधानसभा	पहले बूथ	बढ़े	अब कुल
भीम	264	38	302
कुंभलगढ़	242	42	284
राजसमंद	245	35	280
नाथद्वारा	237	31	268
कुल	**988**	**146**	**1134**

जिला प्रशासन के अनुसार, इस बदलाव से मतदान प्रक्रिया कहीं अधिक सुव्यवस्थित होगी। हालांकि आपत्तियों के निस्तारण के बाद मतदाता सूची में कुछ नाम और जुड़ सकते हैं।

मतदाता पर्ची अब एक क्लिक में

चुनाव के दिन मतदान केंद्रों के बाहर लगी मतदाता सूची में नाम ढूंढने में अक्सर समय लग जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग अब नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत या तो मतदाता पर्ची ऑनलाइन उपलब्ध होगी, या फिर मतदान केंद्र के बाहर मौजूद बीएलओ एक क्लिक में मतदाता की आईडी देखकर पर्ची उपलब्ध करा सकेंगे। पर्ची तुरंत मिलने से मतदाता सीधे मतदान केंद्र में प्रवेश कर सकेंगे।